CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

मध्य प्रदेश ने दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए डेयरी संचालन को पांच साल के लिए एनडीडीबी को हस्तांतरित कर दिया।

दूध उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, मध्य प्रदेश सरकार ने मध्य प्रदेश राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन और उसके संबद्ध दूध संघों के संचालन को पांच साल के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) को हस्तांतरित करने की मंजूरी दे दी है। भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया.

विरोध के बावजूद, जिसने गुजरात के अमूल द्वारा राज्य के सांची ब्रांड के संभावित अधिग्रहण पर चिंता जताई थी, राज्य का लक्ष्य अपने डेयरी उद्योग को बढ़ावा देना है। मध्य प्रदेश, वर्तमान में भारत में तीसरा सबसे बड़ा दूध उत्पादक है, जो देश के दूध उत्पादन में 9-10% का योगदान देता है और प्रतिदिन प्रति व्यक्ति 644 ग्राम दूध उपलब्धता के राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में दूध उत्पादन को दोगुना करना है, इस साझेदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए सहकारी अधिनियम में कानूनी संशोधन पर विचार किया जा रहा है।

अलका उपाध्याय ने पूर्वी राज्यों में प्रमुख पशुपालन और डेयरी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

श्रीमती भारत सरकार की एएचडी सचिव अलका उपाध्याय ने विभिन्न पशुपालन और डेयरी योजनाओं की प्रगति का आकलन करने के लिए भुवनेश्वर, ओडिशा में एक क्षेत्रीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इसमें छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और मेघालय समेत पूर्वी राज्यों के अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम), राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम), एनएडीसीपी और एनपीडीडी जैसी प्रमुख योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। उपाध्याय ने अधिकारियों से चारे की कमी को दूर करने और दूध प्रसंस्करण और संग्रह के लिए बुनियादी ढांचे के अनुकूलन पर जोर देते हुए गोवंश की उत्पादकता बढ़ाने का आग्रह किया।

उन्होंने रीअलाइन्ड एएचआईडीएफ जैसी योजनाओं के माध्यम से स्वदेशी डेयरी उत्पादों और उद्यमिता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। एनएलएम के तहत प्रजनन फार्म पहल में राज्यों के प्रयासों को पहचानने के साथ-साथ आगामी 21वीं पशुधन जनगणना और एनएडीसीपी जैसे रोग नियंत्रण कार्यक्रमों के महत्व को रेखांकित किया गया।

इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स और एनडीडीबी ने बोवाइन भ्रूण स्थानांतरण के लिए स्वदेशी आईवीएफ मीडिया लॉन्च किया।

इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड (आईआईएल) ने एनडीडीबी के सहयोग से गोजातीय भ्रूण स्थानांतरण के लिए एक स्वदेशी इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) मीडिया 'षष्ठी' लॉन्च किया है। इस प्रगति का उद्देश्य भारतीय डेयरी किसानों के लिए आईवीएफ तकनीक को और अधिक किफायती बनाना है।

आईवीएफ तकनीक, ओवम पिक अप और इन विट्रो एम्ब्रियो प्रोडक्शन (ओपीयू-आईवीईपी) के माध्यम से, बेहतर गोजातीय भ्रूण के चयन को सक्षम बनाती है, जिससे डेयरी उत्पादन बढ़ता है। आईआईएल के प्रबंध निदेशक के. आनंद कुमार ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नया आईवीएफ मीडिया आयातित विकल्पों की तुलना में 33% सस्ता है, जिससे प्रति भ्रूण लागत ₹1,000 से घटकर ₹650 हो गई है।

वर्तमान में, भारत सालाना 8,000-10,000 भ्रूण स्थानांतरित करता है, जिसके परिणामस्वरूप 2,000-2,500 बछड़े होते हैं। बढ़ती मांग और सरकारी सब्सिडी के साथ, भ्रूण स्थानांतरण में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। 22 आईवीएफ प्रयोगशालाओं के डेटा से पता चलता है कि 2020 और 2023 के बीच लगभग 30,000 भ्रूण पैदा हुए, जिससे 3,000 बछड़ों का जन्म हुआ।

पंजाब के मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने वेट यूनिवर्सिटी, लुधियाना में पशु पालन मेले का उद्घाटन किया।

पंजाब के कृषि, पशुपालन, डेयरी विकास और खाद्य प्रसंस्करण कैबिनेट मंत्री एस.गुरमीत सिंह खुड्डियां ने गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (जीएडीवीएएसयू), लुधियाना में पशु पालन मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने दैनिक आय के लिए डेयरी फार्मिंग की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए किसानों को पशुधन उद्यमिता का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम की थीम थी, "उत्पन्न टन उत्तपद बनाएं, आओ वध मुनाफ़ा पाएं", किसानों की आय बढ़ाने के मार्ग के रूप में पशुधन उत्पादों में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा दिया गया। कुलपति डॉ. जतिंदर पॉल सिंह गिल ने इस बात पर जोर दिया कि मूल्यवर्धित उत्पाद पारंपरिक पशुधन खेती की तुलना में अधिक रिटर्न प्रदान करते हैं।

मेले में किसानों, वैज्ञानिकों और उद्योग प्रतिनिधियों को आकर्षित करते हुए विश्वविद्यालय अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया गया। मत्स्य पालन महाविद्यालय और पशु पोषण विभाग ने मछली के लिए एक खनिज मिश्रण लॉन्च किया, जबकि विभिन्न विभागों ने उन्नत कृषि तकनीकों का प्रदर्शन किया और दूध परीक्षण किट और मास्टिटिस निदान उपकरण जैसे उत्पाद बेचे।

दो दिवसीय कार्यक्रम में पशु चिकित्सा फार्मास्यूटिकल्स, पशुधन उपकरण आपूर्तिकर्ताओं और स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल शामिल थे, जो मूल्यवर्धित उत्पाद और प्रशिक्षण सामग्री पेश करते थे। पशुधन खेती और मत्स्य पालन में नए अवसरों की खोज के लिए पंजाब और पड़ोसी राज्यों के हजारों किसानों ने भाग लिया।

अरुणाचल प्रदेश ने पशु चिकित्सा महाविद्यालय और पशुधन विकास के लिए केंद्रीय सहायता मांगी।

अरुणाचल प्रदेश के पशुपालन और डेयरी विकास मंत्री, गेब्रियल डी. वांग्सू ने केंद्र सरकार से एक पशु चिकित्सा कॉलेज की स्थापना और राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत मिथुन और याक को उद्यमिता कार्यक्रमों में एकीकृत करने में सहायता का आग्रह किया। उनका अनुरोध केंद्रीय पशुपालन मंत्री डॉ. राजीव रंजन सिंह की अध्यक्षता में हुई मानसून मीट के दौरान किया गया था.

वांगसु ने पशुपालन में सुधार के लिए राज्य की अधिक संसाधनों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, 100 मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों के लिए ईएसवीएचडी-एमवीयू योजना के तहत धन का अनुरोध किया और 21वीं पशुधन जनगणना के लिए 100 गणनाकारों और 50 पर्यवेक्षकों सहित अतिरिक्त जनशक्ति की मांग की।

उन्होंने चारा उत्पादन बढ़ाने के लिए भारतीय घासभूमि और चारा अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित उच्च उपज वाली आनुवंशिक रूप से संशोधित चारा घास की शुरूआत की भी मांग की। क्षेत्रीय चिंताओं को संबोधित करते हुए, वांग्सू ने अफ्रीकी स्वाइन फ्लू से निपटने और उच्च गुणवत्ता वाले सूअरों के आयात का समर्थन करने के लिए एक समर्पित सुअर पालन विकास योजना का आह्वान किया।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए इन मुद्दों को संबोधित करने का वादा किया और राज्य के पशुधन क्षेत्र के विकास पर आगे चर्चा करने के लिए अरुणाचल प्रदेश का दौरा करने का वादा किया।

झारखंड के मुख्यमंत्री ने पशु स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ाने के लिए 236 मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों की शुरुआत की।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को 236 मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों (एमवीयू) की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य पशुपालकों के लिए घर पर पशु स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। एक अधिकारी ने बताया कि पशु चिकित्सकों, पैरामेडिक्स और प्राथमिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित ये आधुनिक एम्बुलेंस नैदानिक परीक्षण और उपचार की पेशकश करेंगी।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन और एम्बुलेंस सेवाएं प्रदान करने के लिए रांची में एक एकीकृत कॉल सेंटर के लिए एक टोल-फ्री नंबर, 1962 भी पेश किया। सोरेन ने पिछले साढ़े चार वर्षों में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सुधार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने किसानों के लिए ₹2 लाख तक की ऋण माफी और पशुधन के लिए बीमा कवरेज की शुरूआत सहित नीतियों पर प्रकाश डाला।

राज्य के कृषि सचिव अबू बक्र सिद्दीकी ने घोषणा की कि एम्बुलेंस सेवा सभी 24 जिलों के 236 ब्लॉकों में उपलब्ध होगी। किसान सहायता का अनुरोध करने के लिए कॉल सेंटर से संपर्क कर सकते हैं, विशेषज्ञ दूरस्थ मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं या जरूरत पड़ने पर एम्बुलेंस भेज सकते हैं। राज्य पशुपालन निदेशक किरण कुमारी पासी ने कहा कि ऑन-साइट उपचार की आवश्यकता वाले गंभीर मामलों के लिए एम्बुलेंस तैनात की जाएंगी।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए ₹1,423 करोड़ की मुख्यमंत्री कामधेनु योजना का अनावरण किया।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को ओडिशा में दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ₹1,423.47 करोड़ के परिव्यय के साथ मुख्यमंत्री कामधेनु योजना शुरू करने की घोषणा की। पशुपालन और डेयरी क्षेत्र के लिए 'मानसून मीट 2024' के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए।

माझी ने अगले पांच वर्षों में छोटी डेयरी इकाइयां स्थापित करने, बछड़े के चारे पर सब्सिडी देने, पशुधन बीमा कवरेज का विस्तार करने और डेयरी सहकारी समितियों को मजबूत करने पर कार्यक्रम के फोकस को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री ने राज्य की दुग्ध सहकारी समितियों को बढ़ावा देने और उत्पादन बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ एक नए समझौता ज्ञापन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बेरहामपुर में एक वैक्सीन उत्पादन इकाई और भुवनेश्वर में एक अत्याधुनिक फ़ीड विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला पर एनडीडीबी के साथ सहयोग करने की योजना की भी घोषणा की।

माझी ने मुख्यमंत्री प्राण कल्याण योजना की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य आवारा जानवरों के प्रति दयालु दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है, और पशु क्रूरता को कम करने के लिए उड़ीसा गोहत्या रोकथाम अधिनियम, 1960 में संशोधन पर चर्चा की। मॉनसून मीट ने भारत के पशुधन और डेयरी क्षेत्रों को मजबूत करने के लिए एक सहयोगात्मक प्रयास को चिह्नित किया।

Organized By
Radeecal communications
In Association with
GPDFA
BTA
BUSINESS AND TRADE ASSOCIATES
SUPPORTED BY :
MINISTRY OF MSME, GOVT OF INDIA
INTERNATIONAL EXHIBITION ON
LATEST TECHNOLOGY OF
DAIRY &
LIVESTOCK FARMING
BOOK YOUR STALL NOW
DLP EXPO ASIA
11TH EDITION
DAIRY LIVESTOCK AND POULTRY EXPO
20-21-22
SEPTEMBER 2024
HELIPAD EXHIBITION CENTRE
GANDHINAGAR, GUJARAT
200
PARTICIPATED COMPANIES
90,000+
TOTAL NO. OF VISITORS
1000+
SEMINAR DELEGATES
10+
SPEAKERS
INTERNATIONAL PARTICIPATION FROM
Hong Kong
South Korea
Turkey
REGISTER ONLINE
Concurrent Events
13 Agri Asia
Asia's Prime Exhibition On Agriculture Technology
GRAINMACH ASIA
Supported By
Amul
The Taste of India
Amul
GCMMF
Media Partner
CEDSI
+91 75670 75522
W: www.dlpexpo.com
E: asia@dlpexpo.com

Organized By
Radeecal communications
In Association with
GPDFA
BTA
BUSINESS AND TRADE ASSOCIATIO
GROWING
Greener
TOGETHER
Sustainable Practices
On Display At The
13th Agri asia Exhibition.
>> BOOK YOUR STALL NOW
SUPPORTED BY :
MINISTRY OF MSME, GOVT OF INDIA
13th Agri Asia®
Asia's Prime Exhibition On Agriculture Technology
20-21-22
SEPTEMBER 2024
HELIPAD EXHIBITION CENTRE,
GANDHINAGAR, GUJARAT.
200
PARTICIPATED COMPANIES
90,000+
TOTAL NO. OF VISITORS
1000+
SEMINAR DELEGATES
10+
SPEAKERS
INTERNATIONAL PARTICIPATION FROM
Hong Kong
South Korea
Turkey
Concurrent Events
DLP EXPO ASIA
DAIRY LIVESTOCK AND POULTRY EXPO
GRAINMACH ASIA
Supported By
GAMMA
IGMA
Media Partner
CEASI
CENTRES OF EXCELLENCE FOR AGRICULTURE SKILLS IN INDIA
+91 91738 26807
W: www.agriasia.in
E: agriasia@agriasia.in

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई**) के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

+91 7428706078

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives | NGO's/CSR Foundations | Dairy Farmers | Students | Professional

www.cedsi.in

17th July 2024

@cedsi_india

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया